

स्ट्री सं. डी.एल.-33004/94

REGD. NO. D.L.-33004/94



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 289] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 7, 1994/आषाढ़ 16, 1916
No. 289] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 7, 1994/ASADHA 16, 1916

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(ई.सी.बी. और निवेश प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

सा.का.नि. 563(अ).--प्रतिभूति संविदाएं (विनियमन) नियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों में संशोधन निम्नलिखित मसौदे को जिसके संबंध में केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति संविदाएं (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 30 की उप-धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रस्ताव करती है, एतद्वारा प्रकाशित करती है और जो उसके द्वारा संभावित रूप से प्रभावित सभी लोगों की सूचना के लिए

उपरोक्त धारा की उप-धारा (3) द्वारा अपेक्षित है तथा एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त मसौदे पर उस तारीख से जब से यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित होकर उसकी प्रतियां जनसाधारण के लिए उपलब्ध करा दी गई हैं, पैंतालीस दिवस तक अथवा उसके बाद की समयावधि के समाप्त होने के बाद विचार किया जाएगा।

यदि उक्त समयावधि के समाप्त होने से पहले संबद्ध मसौदे के संबंध में किसी भी व्यक्ति से कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्राप्त होता है तो उस पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

उक्त मसौदा नियमों के संश्लेष में यदि कोई व्यक्ति आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत करना चाहता है तो वह इसे केन्द्र सरकार द्वारा विचार करने के लिए यथानिर्दिष्ट समयावधि के भीतर सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेज सकता है।

मसौदा नियम

1. (1) ये नियम प्रतिभूति संविदाएं (विनियमन) (द्वितीय संशोधन) नियम, 1994 कहें जाएंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके अंतिम रूप में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

2. प्रतिभूति संविदाएं (विनियमन) नियम, 1957 में, नियम 8 में, खंड (4क) के उप-खंड (iv) में शब्दों, कोष्ठकों, अंक और अक्षर के लिए “खंड (1) [उसके उप-खंड (च) को छोड़कर] अथवा खण्ड (3) [उसके उप-खण्ड (च) को छोड़कर]” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों “खंड (1) [उसके उप-खंड (ख) और उप-खंड (च) को छोड़कर] अथवा खंड (3) [उसके उप-खंड (क) और उप-खंड (च) को छोड़कर]” को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[एफ सं. 2/9/एस. ई./93]

पी. जे. नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(ECB & INVESTMENT DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 1994

G.S.R. 563(E).—The following draft of certain rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be considered by the Central Government.

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of said draft rules may forward the same for consideration by the Central Government within the period so specified above to the Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) (Second Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In Securities Contracts (Regulation) Rules 1957, in rule 8, in clause (4A), in sub-clause (iv) for the words, brackets, figure and letter "clause (1) [except sub-clause (f) thereof] or clause (3) [except sub-clause (f) thereof]" the words, brackets, figures and letters "clause (1) [except sub-clause (b) and sub-clause (f) thereof] or clause (3) [except sub-clause (a) and sub-clause (f) thereof]" shall be substituted.

[File No. 2/9/SE/93]

P. J. NAYAK, Jt. Secy.